A–0632

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DPJ-104

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

मुहूर्त विचार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मानव जीवन में संस्कारों की अवश्यकता पर प्रकाश डालिए। संस्कार क्यों आवश्यक हैं ? सिद्ध कीजिए।

2. गर्भाधान संस्कार की मानव जीवन में क्या उपयोगिता है ? विस्तार से विवेचना कीजिए।

3. उपनयन का अर्थ स्पष्ट करते हुए सविधि उल्लेख कीजिए।

4. गृह प्रवेश मुहूर्त की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए विस्तृत विवेचन कीजिए।

5. भारतीय मुहूर्तों में चौघड़िया मुहूर्त के विषय में सविस्तार से उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पुंस्वन संस्कार का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. नामकरण संस्कार की वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिए।

3. भारतीय संस्कृति में चूडाकर्म संस्कार की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

4. विवाह में लग्न शुद्धि क्यों आवश्यक है ? प्रकाश डालिए।

5. नींव खोदने के मुहूर्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।

6. जीर्ण कूपारम्भ मुहूर्त का विस्तृत विवेचन कीजिए।

7. यमघंटक का सामानय जीवन में क्या महत्व है ? उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

8. होराशास्त्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए होरा मुहूर्त पर प्रकाश डालिए।

****